International Journal of Applied Research 2018; 4(10): 307-309

ISSN Print: 2394-7500
ISSN Online: 2394-5869
Impact Factor: 5.2
IJAR 2018; 4(10): 307-309
www.allresearchjournal.com
Received: 28-08-2018
Accepted: 30-09-2018

Abhinav Anand
Research Scholar,
Department of Geography,
Magadh University, Bodh Gaya, Bihar, India

Correspondence
Abhinav Anand
Research Scholar,
Department of Geography,
Magadh University, Bodh Gaya, Bihar, India

बिहार राज्य में जनसंख्या परिवर्तन का भौगोलिक अध्ययन

Abhinav Anand

सारांश
प्रस्तुत अध्ययन बिहार राज्य में जनसंख्या संबंधी परिवर्तनों का आंकिक प्रदर्शन करता है। इस अध्ययन के अंतर्गत वर्ष 1951 से 2001 के दशको के दौरान जनसंख्या वृद्धि दर में होने वाले ऋणात्मक एवं धनात्मक परिवर्तनों का विश्लेषण किया गया है इसके अतिरिक्त 2001 एवं 2011 में जनसंख्या वृद्धि में आये परिवर्तनों के साथ तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। यह अध्ययन राज्य की कुल जनसंख्या के अलावा राज्य के परिवर्तनशील लिंगानुपात के विषय में समझ को भी विकसित करता है।

कूटशब्द: जनसंख्या वृद्धिदर, दशकीय वृद्धिदर, वार्षिक वृद्धिदर

प्रस्तावना
जनसंख्या से तात्पर्य किसी भी राज्य, राष्ट्र या स्थान विशेष में निवास करने वाले लोगों की कुल संख्या से होता है। भारत, चीन के पश्चात दूसरा सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है। किसी भी देश या राज्य की जनसंख्या में होने वाले परिवर्तनों का प्रभाव उस राष्ट्र अथवा राज्य के विकास एवं उसके संसाधनों के पड़ने वाले बोझ के रूप में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। यह जनसंख्या संबधित परिवर्तनों को मुख्य रूप से तीन कारण प्रभावित करतेहैं जिनमे लोगों का एक स्थान से दूसरे स्थान पर पलायन, जन्मदर एवं मृत्युदर प्रमुख कारक होते हैं। भारत देश की कुल जनसंख्या की लगभग 8.53% आबादी बिहार में निवास करती है। वर्ष 2011 के ताजा आंकडो के अनुसार राज्य की कुल आबादी 10,40,99,452 है जिसमें 54,278,157 पुरूष तथा 49,821,295 स्त्रियाँ हैं। राज्य में निवास करने वाली अधिकतर आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है एवं राज्य में लगभग 82.69% हिंदू धर्म के लोग, 16.87% मुस्लिम, 0.12% ईसाई, 0.02% सिख, 0.02% बौद्ध, 0.02% जैनजैन, 0.24% पिछड़ी जनजातियाँ जनजातियाँ तथा 0.01% अन्य जातियो के लोग निवास करतेहैं।
यह अध्ययन बिहार राज्य में पिछले, 50 से 60 दशकों के दौरान हुए जनसंख्या में परिवर्तनों का विश्लेषण करती है। इस हेतु जन गणना दशको में हुई तीव्र एवं मंद वृद्धिदर को ध्यान में रखते हुए अध्ययन बिंदुओं को दो भागो में वर्गीकृत किया गया है ताकि अध्ययन उद्देश्यों का स्पष्टता के साथ अध्ययन किया जा सके।

अध्ययन उद्देश्य
प्रस्तुत अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य बिहार राज्य में वर्ष 1951 से 2011 के दशकों के दौरान हुए जनसंख्या परिवर्तन का विश्लेषण करना है।

अध्ययन प्रविधि

प्रस्तुत अध्ययन प्रमुख रूप से प्राथमिक एवं द्वितीयक स्रोतों से प्राप्त आंकडों एवं सूचनाओ पर आधारित है। अत अध्ययन उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु जनगणना सांख्यिकी दस्तावेजों को प्रमुख आधार बनाकर विश्लेषण विधि का प्रयोग किया गया है।

आंकडो का संग्रहण

आंकडो के संग्रहण हेतु जनगणना वर्ष 1951, 1961, 1971, 1981, 1991, 2001 एवं 2011 में जारी जनसंख्या संबंधी आंकडो को एकत्रित किया गया है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक दशक में हुई दशकीय वृद्धि एवं वार्षिक वृद्धि दर को ज्ञात किया है। जिसे तालिका संख्या 1 से समझा जा सकता है। इसके अतिरिक्त राज्य की जनसंख्या में महिलाओं की भागीदारी का स्पष्ट विश्लेषण करने हेतु राज्य के लिंगानुपात संबंधी आंकडो को आधार बनाया गया है जिसे तालिका संख्या 2 में दर्ज किया गया है।

तालिका 1: बिहार राज्य में जनसंख्या परिवर्तन के दशकीय एवं वार्षिक आंकड़े

जनगणना वर्ष	राज्य की कुल जनसंख्या	दशकीय वृद्धि	वार्षिक वृद्धि
1951	3,87,82,271	+10.27%	1.02%
1961	4,64,77,457	+19.76%	1.97%
1971	5,63,53,369	+21.33%	2.13%
1981	6,99,14,734	+24.06%	2.04%
1991	8,63,38,853	+22.11%	2.34%
2001	8,29,98,509	+28.6%	2.84%
2011	10,40,99,452	+25.4%	-

तालिका 2: 1951 से 2011 के दशकों के दौरान बिहार राज्य में लिंगानुपात में परिवर्तन

जनगणना वर्ष	लिंगानुपात	परिवर्तन (% में)
1951	1000	-0.20
1961	1005	0.50
1971	957	-4.78
1981	948	-0.94
1991	907	-4.32
2001	919	1.32
2011	918	-0.11

आंकडो का विश्लेषण

तालिका संख्या 1 में एकत्रित आंकडों को मुख्य रूप से दो भागों में वर्गीकृत कर उनका विश्लेषण किया गया है ताकि अध्ययन उद्देश्यों की पूर्ण प्राप्ति की जा सके।

1. 1951 से 2001 के दशकों के दौरान बिहार की जनसंख्या में परिवर्तन

1951 से 2001 के दशको के दौरान बिहार राज्य की जनसंख्या में तीव्र वृद्धि दर दर्ज की गयी। इसे बिहार की जनसंख्या वृद्धि का तीव्र काल कहा जा सकता है। वर्ष 1951 के अनुसार जहाँ बिहार राज्य की कुल जनसंख्या 3,87,82,271 थी एवं राज्य में प्रत्येक 1000 पुरुषों पर महिलाओं का अनुपात 1000 था। आगामी दशक यानि 1961 में 10.27% की जनसंख्या वृद्धि दर के साथ वृद्धि कर गयी। परिणामस्वरूप 1961 में राज्य की कुल जनसंख्या 4,64,77,457 दर्ज की गयी। इस दौरान प्रत्येक वर्ष की वार्षिक वृद्धि दर 1.02% रही एवं राज्य का लिंगानुपात में 0.50% की वृद्धि पायी गयी।

1961 एवं 1971 के दशक के दौरान राज्य की जनसंख्या में 1.97% की वार्षिक वृद्धि दर दर्ज की गयी जिस कारण 1961 से 1971 के दौरान दशकीय वृद्धिदर बढ़ कर 19.76% हो गयी। वर्ष 1971 में जारी जन गणना के अनुसार राज्य को कुल जनसंख्या 5,63,53,369 हो गयी एवं राज्य में प्रति 100 पुरुषो पर महिलाओं की संख्या में -4.78% की नकारात्मक वृद्धि दर देखी गयी इस दौरान बिहार राज्य का लिंगानुपात 1005 से घटकर 957 रह गया।

1981 में जारी जनसंख्या के आंकडो में 24.06 फीसदी की दशकीय वृद्धि दर एवं 2.13% की वार्षिक दर के साथ राज्य की कुल जनसंख्या 6,99,14,734 हो गयी। इसी प्रकार 1991 एवं 2001 के दशकों के दौरान भी राज्य की आबादी सकरात्मक रूप से क्रमश: 22.11% एवं 28.06% की वृद्धिदर के साथ बढ़ती रही। परंतु प्रति 1000 पुरुषो की तुलना में महिलाओं की संख्या में उतरोतर ऋणात्मकता दर्ज की गयी। हालांकि वर्ष 2001 में जारी आंकडो के अनुसार इसमें धनात्मक वृद्धिदर के साथ राज्य का कुल लिंगानुपात 919 पाया गया।

2. 2001 से 2011 के दशक के दौरान बिहार की जनसंख्या में परिवर्तन

2001 से 2011 के दशक के दौरान राज्य की जनसंख्या वृद्धिदर 28.6% से घटकर 25.4% दर्ज की गयी। वर्ष 2001 में राज्य की कुल जनसंख्या 8,29,98,509 थी जो वर्ष 2011 के आंकडो में 10,40,99,452 आंकी गयी। इस दशक को बिहार राज्य की जनसंख्या का मध्यम काल भी कहा जा सकता है। राज्य में लिंगानुपात की बात की जाए तो इसमें निरंतर कमी देखी जा सकती है। पिछले दशक में जहॉ महिलाओ की कुल संख्या प्रति 1000 पुरुषों पर 919 थी जो कि वर्ष 2011 में घटकर 918 रह गयी।

निष्कर्ष

आंकडो का विश्लेषण इस बात की पुष्टि करता है कि राज्य की जनसंख्या में निरंतर परिवर्तन पाया गया है जिसकी प्रकृति धनात्मक एवं ऋणात्मक रूप से प्रभावित होती रही है। वर्ष 1951 से 2001 के काल खंड को राज्य का तीव्र वृद्धिदर का काल कहा जा सकता है चूंकि इन दशको के अंतराल में राज्य की जनसंख्या जहाँ 1951 में 3,87,82,271 दर्ज की गयी थी वर्ष 2001 आते आते यह बढ़ कर 8,29,98,509 हो गयी। पिछले 5 दशकों में राज्य की जनसंख्या लगभग दुगुनी रूप से वृद्धिशील रही। हालांकि 2011 के आंकड़े के अनुसार वृद्धिदर गत दशक 2001 की

तुलना में 28.6% से घटकर 25.4% हो चुकी है जो जनसंख्या में ऋणात्मक वृद्धि दर के संकेतो को बल देता है

संदर्भ सूची

1. Shahid Imam. Population Growth and Levels of Education in Bihar, International Journal of Science and Research, 2021, 10(8).
2. Alam M. Spatio-temporal Study of Sex-ratio in Bihar: A District Level Overview, Asian Journal of Human Development and Livelihood. 2016;5(1):95-105.
3. Shahid Imam, Population Growth and Urbanization in Bihar: A District Level Analysis, International Journal of Science and Research, 2021, 10(8).
4. Anjani Kumar, Yadava RS. A Study in Population Growth and Characteristics of Patna Urban Agglomeration, NGJI, 2018, 64(3).
5. Dr. Saswata ghosh, Demographic profile of bihar, tarang press and publicatioons pvt Ltd; c2018.
6. भारत की जनगणना रिपोर्ट वर्ष; c2011.
7. Manoj Kumar Pandey, Bihar, in a State of Messy Urbanization – Way Forward, Innovative Governance of Large Urban Systems, Apr 8, 2021.